

eine schlimme Lage kommen, in's Unglück gerathen, zu Nichte werden, dahin gehen, zu Grunde gehen, umkommen, sterben: आरम्भा विपद्यन्ते श्राप्य. Br. 5. 6. विपन्नसस्येव (Gegens. निष्पन्न, संपन्न gerathen) MBh. 7, 26, 8, 3036. VARĀH. BRH. S. 19, 9. विपन्नकृत्याः देवताः 13, 419. 1. देवेन विपन्नार्थः देवविपन्नात्मा R. GORR. 2, 20, 21) पुरुषः R. 2, 23, 18. अहो मम सुतानां हि विपन्नं सूतं जीवितम् ist dahin MBh. 7, 5558. यथा च मृगमयं भाण्डं चक्राव्रुत् विपद्यते 11, 95. चित्तनाशाद्विपद्यते सर्वाण्येवेन्द्रियाणि मे । क्षीणान्नेरुस्य दीपस्य संसक्ता रश्मयो यथा ॥ R. 2, 64, 68. यथा बुद्धिर्न विपद्येत कच्छ्रुतः BHĀG. P. 7, 12, 22. बुद्ध्या विपन्नया (विप्रतिपन्नया SCHL.) R. GORR. 2, 118, 1. देहे विपन्नाखिलचेतनादिकम् BHĀG. P. 4, 23, 21. अविपद्यतात्मना 6, 1, 8. विपन्नेदेहे मयि MBĀKĪ. 13, 28. विपन्नदीधिति Spr. 791. झटपाया वाचा पूर्वशाकविपन्नया zu Nichte geworden, schwach R. 6, 10, 5. स तेन दुःखमाप्नोति परत्र च विपद्यते erfährt Schlimmes, geräth in Unglück MBh. 3, 13907. विपन्न in's Unglück gerathen: विपन्नानामापडुद्धरणात्तम Hit. 1, 27. = विपन्नत Trik. 3, 3, 368. = विपदाक्रान्त MED. n. 132. = नष्ट H. an. 3, 418. नारी गर्भयुता विपद्यते so v. a. eine Fehlgeburt thun VARĀH. BRH. 4, 7. यौवनस्यो ऽथ मध्यस्यो वृद्धो वापि विपद्यते kömmt um MBh. 11, 99. देवेन किल यस्यार्थः स नीतो ऽपि विपद्यते 4, 612. KATHĪS. 4, 129, 27, 120, 29, 138, 33, 72, 42, 99, 134. Hit. IV, 46. RĪĀA-TAR. 2, 32, 4, 527, 3, 209, 221, 339, 261, 6, 27. MĀRĀ. P. 22, 43. विपन्नं umgekommen MBĀKĪ. 140, 11. ÇĀK. 90, 19. KATHĪS. 9, 77, 39, 182. VID. 195, 198. BHĀG. P. 3, 2, 31, 5, 13, 13. fg. — 2) hindernd in den Weg kommen: वर्षे विपद्युत्स्तनपितृवर्षा विपद्यते KAUC. 141. — Vgl. विपत्ति, विपद्. — caus. umbringen RĪĀA-TAR. 2, 79, 6, 106, 281.

— सम् 1) zu fallen, zu Theil werden, gelingen, in Erfüllung gehen, gerathen, zu Stande kommen: तन्मे सर्वं संपद्यताम् AV. 10, 9, 27. KATHĪS. 7, 6. यो ह वै संपदं वेदं संपद्यते चत. Br. 14, 9, 2, 4. यत्कामयेत तदस्मीयाद्यद्वा संपद्यते 3, 1, 2, 1. KAUC. 68. भोजनान्नाच्छादनान्भ्यधिकं स्वल्पमप्यर्थमात्रं न संपद्यते PANĀT. 132, 25. द्वयोरपि विनिपातः संपद्यते 92, 6. VĪR. 42, 9. RAGH. 14, 76. MBh. 3, 8173. R. 1, 65, 24. VET. in LA. 33, 4. तथा न शास्त्रातिक्रमेण धनविद्यादेरागमो मनुष्यान्प्रति संपद्यते KULL. zu M. 1, 81. यो ह वै संपदं वेदं संपद्यते कामाः संपद्यते KBĀND. Up. 5, 1, 4. प्रियः कामो न ते संपत्स्यते क्वचित् MBh. 1, 3485, 7199 (act.). 5, 170. KUMĀRAS. 2, 54. BHĀG. P. 6, 7, 27. सर्वे संपत्स्यन्ते मनोरथाः MBh. 14, 154. PRAB. 117, 10. एतावद्भवतामभिलषितं संपन्नम् Hit. 44, 8. समीकृतम् DHĀRTAS. 77, 14. चित्तपिप्यसि यत्किंचित्तच्च संपत्स्यते तव KATHĪS. 42, 119. MĀLAV. 93. मा तत्सं पादि यद्सौ बुद्धेति AV. 7, 70, 2. यथाक्षिशमभिमतार्थसिद्धयः संपद्यन्ते PRAB. 61, 12. कथममुना स्वल्पबलेनैतत्संपत्स्यते Hit. 104, 5. संपत्स्यन्तु च मे क्रियाः HARIV. 6086. प्रपन्नस्ते न कर्तव्या नैष संपत्स्यते तव MBh. 5, 4004. अस्मिन्कर्मणि संपन्ने 3, 2636. M. 3, 254. वचो हि परुषान्तरं न च पदेषु संपद्यते ad ÇĀK. 60, 2, v. 1. अथ तस्मिन्काले कियत्संपन्नम् PRAB. 30, 10. सुवर्णेन चतुःशालं गृहं संपत्स्यते PANĀT. 232, 18. संपद्यते यथा सुब्रीजं चैव सुनेत्रे ज्ञातम् geräth M. 6, 69. संपन्नसस्या च मही gerathen MBh. 4, 931. वसुमती सर्वसंपन्नसस्या MBĀKĪ. 178, 9. प्राप्तकामा जनपदाः संपन्नयवगोरसाः R. 3, 22, 7. संपन्नशालिनिचयावृतभूतलानि R. 3, 16. संपन्न = साधित MED. n. 130. — 2) voll werden (von einer Zahl u. s. w.), zusammen betragen: तिस्रः सतीरुपमेदा द्विद्विरेकैकामुपायंस्ताः षट्संपद्यन्त आ. Br. 1, 23. (चतुरन्तरं चतुरन्तरम्) तदष्टान्तरं संपद्यते 3, 12. ÇAT. IV. Theil.

Ba. 2, 2, 2, 17, 3, 4, 4, 18. तद्वास्य शतं गावः सक्लं संपेडुः PANĀT. Br. 25, 10, 18. TBa. 1, 1, 5, 3. ता यदा सक्लं संपेडुः KBĀND. Up. 4, 4, 5, 8, 11, 3. अष्टौ रथसक्लाणि नागानामपुतं तथा । अर्बुदं पतिसंधानां तद्वलं समं चत ॥ HARIV. 15082. कृतं संपद्यते चरन् wird voll Ait. Br. 7, 15. — 3) werden: संपद्यते स उकारो ऊकारः RV. PRĀT. 1, 11. P. 2, 3, 13, VĀrtt. 2. स देशः — गुह्येव समपद्यत ARG. 9, 10. स सर्वदमनो नाम कुमारः समपद्यत MBh. 1, 2995. विवर्णा पाण्डुसंकाशाः समपद्यन्त 4289, 5673, 2, 942, 3, 964, 5, 7112. R. 2, 33, 22, 3, 53, 19. ÇĀK. 61, 18. MBh. 11, 24. KATHĪS. 3, 50, 35, 115. BHĀG. P. 6, 12, 35. RĪĀA-TAR. 2, 9, P. 8, 2, 106, VĀrtt. सौमित्रं मित्रसंपन्नम् der sein Freund geworden war R. 3, 73, 1. mit einem adv. auf सात् gan: zu etwas werden P. 5, 4, 53. VOP. 7, 85. कृत्स्नं लवणां जलं संपद्यते जलसात्संपद्यते ebend. in Jmdes Gewalt kommen P. 5, 4, 54. VOP. 7, 85. mit einem adv. auf त्रा Jmd zufallen P. 5, 4, 55. VOP. 7, 86. mit einem adv. auf घ्रा VOP. 7, 88. mit einem dat. gereichen zu: सधोः शिना गुणाय संपद्यते नासाधोः PANĀT. 94, 21. — 4) entstehen, geboren werden: पुत्ररवास्ततो विद्वानिलायां समपद्यत MBh. 1, 3143. युवनाद्यसुतः श्रीमान्माध्याता समपद्यत R. 2, 110, 13. मान्धातुस्तु मरुतेज्ञाः सुषेधिः समपद्यत R. GORR. 1, 72, 23. — 5) zusammenfallen, zusammentreffen, sich vereinigen mit (instr.): उभे हि तेजसी संपद्यते TBa. 2, 1, 2, 9. द्वौ द्वौ संपद्यत आ. Br. 3, 41. कथं संवत्सरेणाग्निना संपद्यते (शतहृदियम्) ÇAT. Ba. 9, 1, 4, 43. अथ यदि द्विमात्रेण मनसि संपद्यते so v. a. sich im Geiste vertiefen in PRAÇNOP. 5, 4. यद्मणा समपद्यत er bekam die Schwindsucht MBh. 1, 4696. अशोक यदि सद्य एव मुकुलैर्न संपत्स्यते MĀLAV. 52. संपन्नं versehen —, begabt mit, im Besitz von: जनेन ÇĀND. Ça. 16, 1, 19. सर्वैर्मानुष्यैः कामैः संपन्नतमः ÇAT. Br. 14, 7, 4, 32. तपसा ब्रह्मवर्षेण अहया संपन्नः PRAÇNOP. 3, 3. पितृलेकिन KBĀND. Up. 8, 2, 1. MBh. 1, 7107. KĀM. NĪTIS. 8, 6. AK. 3, 1, 13. शीलतः (= शीलिन) M. 9, 82. gewöhnlich am Ende eines comp.: सर्वं ० ĀÇV. GRHJ. 1, 5. सम्यग्दर्शनं ० M. 6, 74, 7, 69, 75, 8, 179. MBh. 1, 8, 4696, 13, 6420. LA. 46, 8. N. 12, 38. DRAUP. 8, 54. BRĀHMAN. 1, 27. R. 1, 1, 14, 20, 25, 4, 3, 27, 48, 26. KĀN. 7. RAGH. 18, 17. KĀM. NĪTIS. 3, 3. Spr. 460. AK. 2, 1, 12. VARĀH. BRH. S. 13, 9, 13, 2. SĪH. D. 32, 14. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 6. mit Umstellung: संपन्नदत्तं ĀÇV. GRHJ. 4, 8. संपन्नसलिलाशयान् (कोशलान्) R. 2, 30, 9. Vgl. ज्ञातिं, देव. — 6) eingehen in (loc. acc.): पुरुषस्य प्रयतो वाक्मनसि संपद्यते मनः प्राणो प्राणास्तेजसि तेजः परस्यो देवतायाम् KBĀND. Up. 6, 8, 6, 15, 1. संपद्यमानमाज्ञाय भीष्मं ब्रह्मणि निष्कले BHĀG. P. 1, 9, 44. ब्रह्म संपद्यते तदा BHĀG. 13, 30. mit Ergänzung von ब्रह्मणि oder ब्रह्म KBĀND. Up. 6, 14, 2 (VEDĀNTAS. Allah. No. 119). — 7) gerathen in, gelangen zu, theilhaftig werden: निर्वेदम् R. 1, 53, 10. तीक्ष्णांशुः शिशिरोऽशुर्वं भयात्संपद्यते रविः 3, 54, 12. योगिताम् (nach Schütz's Verbesserung) BHĀRT. 3, 91. — 8) संपन्न gut gerathen, vollkommen, vollendet, im besten Zustande sich befindend; = संपत्तिसहित MED. n. 130. Accent eines aus संपन्न (adv.) und einem nachfolgenden adj. gebildeten comp. gaṇa विस्पष्टादि zu P. 6, 2, 24. von Personen und Sachen. शक्तिपरमसंपन्नः R. 1, 13, 39. (सीताम्) संपन्नानमलंकाराम् 5, 18, 6. सुतावमूतं संपन्नो RAGH. 15, 13. संपन्नानां स्वकर्मसु M. 9, 115. अंसंपन्न इवाभाति ब्रह्मवर्चसि BHĀG. P. 1, 4, 30. युद्धं ० vollkommen vertraut mit MBh. 1, 7107 (daneben zwei instr. विद्यया und बलेन, zu denen संपन्नः in der Bed. versehen mit zu ergänzen ist). ० कृस्ता HARIV. 7797. तान्त्रथा-